प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART -1 **टूटा पहिया (मैं रथ का ----- घिर जाए)**

1. नए शब्द –

* टूटा हुआ – तोडा हुआ, छिन्न भिन्न തകർന്ന, പൊട്ടിയ * पहिया - चक्र * रथ - chariot * सेना - सैन्य
* मत फेंकना - नहीं छोडना, उपेक्षा नहीं करना ഉപേക്ഷിക്കരുത്, വലിച്ചെറിയരുത് * चुनौती देना – ललकार देना വെല്ലുവിളിക്കുക
* दुरूह – रहस्य, अस्पष्ट समझने में कठिन, രഹസ്യമായ, മനസ്സിലാക്കാൻ പ്രയാസമുള്ള * अक्षौहिणी – संपूर्ण चतुरंगिणी सेना
* चक्रव्यूह - സൈന്യത്തെ കറങ്ങുന്ന ചക്രത്തിന്റെ ആകൃതിയിൽ അണിനിരത്തുന്ന രീതി
* दुस्साहसी – अविचारी, अति साहसी അനാവശ്യമായ ധൈര്യം കാണിക്കുന്നവൻ, കടുസാഹസ്സം കാണിക്കുന്നവൻ
* घिर जाना – फँस जाना വളയപ്പെടുക, അകപ്പെടുക, കുടുങ്ങുക

2. समानार्थी शब्द कविता से चुनकर लिखें ।

1. चक्र – पहिया 2. ललकार – चुनौती 3. तोडा हुआ, छिन्न भिन्न – टूटा हुआ 4. रहस्य, अस्पष्ट, समझने में कठिन – दुरूह
5. श्रेणी - व्यूह 6. सैन्य – सेना 7. अविचारी, अति साहसी - दुस्साहसी

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1.मत फेंकना – नहीं छोडना, उपेक्षा नहीं करना 2. चुनौती देना – ललकार देना 3. घिर जाना – फँस जाना

4. विशेषण शब्द लिखें ।

1. दुरूह चक्रव्यूह - दुरूह 2. दुस्साहसी अभिमन्यु - दुस्साहसी 3. अक्षौहिणी सेना – अक्षौहिणी 4. टूटा हुआ पहिया - टूटा हुआ
5. रथ का पहिया - रथ का

5. किसका प्रतीक है ?

1. टूटा पहिया – उपेक्षित लघु मानव/ टूटे हुए मानवीय मूल्य/ उपेक्षित सामान्य मनुष्य/ आम जनता/ शोषितों की आवाज़
2. चक्रव्यूह – जीवन की समस्याएँ / जीवन की विषमताएँ/ वर्तमान संसार / जटिल समस्या
3. अभिमन्यु – शोषण से पीडित आम जनता/ साहसी युवा पीढी/ अधर्म का विरोधी/ चुनौतियों का सामना करनेवाला
4. अक्षौहिणी सेना – अधर्मियों का संघ/ शोषण की व्यवस्था
5. रथ – जीवन

6. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. ‘ टूटा पहिया ’ किसकी रचना है ?
   धर्मवीर भारती
2. कविता में **मैं** का प्रयोग किस केलिए किया गया है ?
   टूटा पहिया
3. हमें किसकी उपेक्षा मत करनी चाहिए ?
   मानवीय मूल्य की
4. कवि ने किसको मत फेंकने को कहा है ?
   टूटे पहिये को
5. कवि के मत में अक्षौहिणी सेनाओं को कौन चुनौती देगा ?
   अभिमन्यु
6. चक्रव्यूह में कौन फँस गया था?
   अभिमन्यु
7. चक्रव्यूह कैसा है ?
   दुरूह
8. अभिमन्यु किसको चुनौती दे रहा था ?
   अक्षौहिणी सेना को
9. दुस्साहसी कौन है ?
   अभिमन्यु
10. कवि टूटा पहिये को तुच्छ क्यों नहीं समझते हैं ?
    वही रण में अभिमन्यु का शस्त्र बना था ।

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRIPTS Ph 9567224545

11. टूटे पहिये से कवि कवि क्या आशा करते हैं ?

असत्य और अधर्म के विरुद्ध लडनेवाले को सहारे बने ।

12. कविता से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं ?

संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा नहीं करना चाहिए ।

13. 'टूटा पहिया' कविता में कवि ने किस शक्ति की ओर संकेत किया है ?

टूटे पहिए के माध्यम से कवि ने उपेक्षित और लघु मानव की शक्ति की ओर संकेत किया है ।

14. टूटे पहिए से कवि क्या आशा करते हैं ?

आजकल समाज में असत्य और अन्याय का बोलाबाला है । इन असत्यों और अन्यायों के खिलाफ अगर कोई लडेगा तो कोई टूटा पहिया यानी लघु मानव ही उसका सहारा बने । यही कवि की आशा है ।

15. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है ?

अर्जुन का पुत्र अभिमन्यु केवल चक्रव्यूह में घुसने की विद्या ही जानता था । लेकिन उससे बाहर निकलने का रास्ता उसे पता नहीं था । फिर भी बिना सोचे शत्रुओं की चुनौती स्वीकार करके चक्रव्यूह के अंदर प्रवेश करके युद्ध करने तैयार हुआ । इसलिए अभिमन्यु को दुस्साहसी कहा गया है ।

16. कवि ने टूटा पहिए को मत फेंकने को क्यों कहा गया है ?

कवि के अनुसार जिस चीज़ को हम फालतू समझकर फेंक देते हैं,उसका कभी उपयोग करने का मौका आ सकता है । महाभारत युद्ध में महारथियों का मुकाबला करने में रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया था । उसी प्रकार शोषण से पीडित आम जनता केलिए शासक वर्ग के अधर्म और अत्याचार के खिलाफ मानवीय मूल्य रूपी यह टूटा पहिया काम आएगा ।

17. कवितांश का आशय (मै रथ का टूटा हुआ पहिया .... अभिमन्यू आकर घिर जाए !)

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक हिंदी के मशहूर कवि **'श्री.धर्मवीर भारती'** की कविता संग्रह **'सात गीत वर्ष'** से चुनी गई 'टूटा पहिया' कविता से ली गई हैं । महाभारत युद्ध के प्रसंग को आधार बनाकर लिखी गई इस प्रतीकात्मक कविता में कवि ने वर्तमान सामाजिक स्थिति पर प्रकाश डाला है । इसमें कवि हमें यह संदेश देना चाहते हैं कि इस संसार में प्रत्येक वस्तु का अपना मूल्य है, किसी भी वस्तु को तुच्छ समझकर उपेक्षा न करना चाहिए ।

कवि अपने को टूटा पहिया मानते हुए कहते हैं कि मैं भले ही रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ, किंतु मुझे बेकार समझकर मत फेंको । क्योंकि इस दुरूह चक्रव्यूह में अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाएगा । तब मैं ही उसका सहारा बन सकता हूँ । यहाँ टूटा पहिया मानवीय मूल्यों का,चक्रव्यूह जीवन की विषमताओं का और अभिमन्यु शोषण से पीडित आम जनता का प्रतीक है । प्रस्तुत पंक्तियों के ज़रिए कवि यह व्यक्त करना चाहते हैं कि जिस प्रकार टूटा पहिया अभिमन्यु केलिए उपयोगी बना,उसीप्रकार आज के अधार्मिक शक्तियों के विरोध करने में आम जनता केलिए इस टूटा पहिया रूपी मानवीय मूल्य ही काम आएगा । इसलिए इसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए ।

मानवीय मूल्यों की शक्ति व्यक्त करनेवाली यह कविता हर तरह से बिलकुल प्रासंगिक तथा अच्छी है । कवि ने कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उन्हें अपने उद्देश्य कथन में पूर्ण रूप से सफलता मिली है ।

7. आशयवाली पंक्तियाँ लिखें।

1. भले ही मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हुँ, किंतु मुझे बेकार समझकर मत छोडो ।

   मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ / लेकिन मुझे फेंको मत !

2. चतुरंगिणी सेनाओं को ललकार देते हुए कोई अभिमन्यु जैसे साहसी आकर फँस जाएगा ।

   अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ / कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए !

8. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1.
चक्रव्यूह	- शोषण की व्यवस्था
अभिमन्यु	- जीवन की समस्याएँ
टूटा पहिया	- साहसी युवा पीढी
अक्षौहिणी सेना	- तुच्छ मानव

2.
फँस जाना	– प्रवेश करना
उपेक्षा नहीं करना	– ललकार देना
घुस जाना	– घिर जाना
चुनौती देना	– मत फेंकना

3. रथ का पहिया - अधर्मियों का संघ है ।
   चक्रव्यूह - दुस्साहसी है ।
   अभिमन्यु - दुरूह है ।
   अक्षौहिणी सेना - टूटा हुआ है ।

4. टूटे हुए पहिये को - चुनौती देगा ।
   चक्रव्यूह में अभिमन्यु – मत फेंको ।
   अक्षौहिणी सेनाओं को – आकर घिर जाएगा ।
   दुस्साहसी अभिमन्यु - अकेले घुस जाता है ।

9. प्रश्नोत्तर और आशय लिखते वक्त आनेवाले कुछ शब्द -

* लडना – युद्ध करना പോരാടുക * अस्त्र - शस्त्र, हथियार ആയുധം * रचना – निर्माण, सृष्टि രചിക്കൽ, നിർമ്മാണം
* घुस जाना – प्रवेश करना പ്രവേശിക്കുക * बाहर निकलना - പുറത്തു കടക്കുക * सहारा बनना – आश्रय बनना സഹായകമാവുക
* लडाई – युद्ध, वार, रण യുദ്ധം * काम आना - പ്രയോജനപ്പെടുക * आवाज़ उठाना – ശബ്ദമുയർത്തുക * अन्याय × न्याय
* असत्य × सत्य (सच्चाई, सच) * अधर्म × धर्म * पक्ष – भाग, बगल ഭാഗം, വശം side * घेरना - വളയുക, ചുററുക
* निहत्था खडा होना – നിരായുധനായി നിൽക്കുക * बेकार – निस्सार, अनुपयोगी, तुच्छ, फालतू * मूल्य - മൂല്യം, വില
* तिरस्कृत – उपेक्षित * आकस्मिक लाभ – പെട്ടെന്നുണ്ടാകുന്ന പ്രയോജനം * परिवेश – परिस्थिति, संदर्भ ചുററുപാട്
* शोषण – ചൂഷണം * निडर समाजसेवी - പേടിയില്ലാത്ത സാമൂഹ്യസേവകൻ * विरोध करना - എതിർക്കുക * वस्तु – चीज़
* आगे आना – മുന്നോട്ടു വരുക * आम जनता – सामान्य जनता, साधारण जनता * संकेत करना – इशारा करना സൂചിപ്പിക്കുക
* असहाय आवाज़ – ആരുടെയും സഹായമില്ലാത്തവന്റെ ശബ്ദം * समस्याएँ – विषमताएँ, संघर्षें പ്രശ്നങ്ങൾ, ബുദ്ധിമുട്ടുകൾ
* अत्याचार - ദുർ നടപടി, അന്യായം, അക്രമം * पथ – मार्ग, रास्ता വഴി * अधर्म के विरोधी - അധർമ്മത്തെ എതിർക്കുന്ന
* शोषित - ചൂഷണം ചെയ്യപ്പെട്ട * शोषक वर्ग – ശോഷിപ്പിക്കുന്ന/ചൂഷണം ചെയ്യിക്കുന്ന വിഭാഗം * ढाल - പരിച
* शासक वर्ग – अधिकारी वर्ग ഭരണാധികാരികൾ * व्यवस्था - ഏർപ്പാട്, രീതി * ध्यान देना - ശ്രദ്ധിക്കുക * संसार – जग, दुनिया
* व्यूह - श्रेणी സമൂഹം, കൂട്ടം, യുദ്ധത്തിനുള്ള സൈന്യവിന്യാസം * रोकने का अधिकार - തടയാനുള്ള അധികാരം (അവകാശം)
* अधर्मियों का संघ - അധാർമ്മികളുടെ (പാപികളുടെ) കൂട്ടം * उपेक्षित मानवीय मूल्य - ഉപേക്ഷിക്കപ്പെട്ട ജീവിത മൂല്യങ്ങൾ
* उपाय – तरीका വഴി, മാർഗം * लघु मानव - ദുർബലനായ (ലഘുവായ) മനുഷ്യൻ * मार डालना – കൊല്ലുക * शिकार - ഇര
* साहसी युवा पीढी - ധൈര്യമുള്ള പുതുതലമുറ * वर्तमान समाज - आधुनिक समाज ആധുനിക സമൂഹം * महाशक्ति – വലിയ ശക്തി
* याद दिलाना - ഓർമ്മപ്പെടുത്തുക * दबाने का प्रयास – അടിച്ചമർത്താനുള്ള(കീഴടക്കാനുള്ള) ശ്രമം * विरुद्ध – खिलाफ എതിരായി
* ज़रूरत - आवश्यकता * लाभकारी होना - उपयोगी होना, सहायक बनना സഹായകമാവുക * घूमना – കറങ്ങുക * वक्त – समय
* भेदना - ഭേദിക്കുക * धार्मिकता भूलना - ധാർമ്മികത മറക്കുക * हालत – हाल, स्थिति അവസ്ഥ, സ്ഥിതി * धीरता – धैर्य
* आक्रमण करना – टूट पड़ना ആക്രമിക്കുക * समझना – मानना മനസ്സിലാക്കുക * सर्वनाश - പൂർണ്ണമായ നാശം
* अभिमन्यु – अर्जुन और कृष्ण की बहन सुभद्रा का पुत्र * प्रतीक – അടയാളം * प्रासंगिक - സന്ദർഭോചിതമായ * खंभा – കോളം
* चुनना - തെരെഞ്ഞെടുക്കുക * बलि कर दिये जानेवाला - ബലിയർപ്പിക്കപ്പെടുന്ന * घेराव – ചുററിവളയൽ * पुन : - വീണ്ടും
* संभव - സാധ്യമായത് * दुरुपयोग - ദുരുപയോഗം * समान – भाँति പോലെ * अक्सर - മിക്കവാറും * घटना - സംഭവം
* पीड़ित - ഉപദ്രവിക്കപ്പെട്ട * सामाजिक स्थिति – സാമൂഹ്യസ്ഥിതി * विचार करना - ചിന്തിക്കുക * बदलती - മാറുന്ന
* सांत्वना - ആശ്വസിപ്പിക്കൽ * समर्थ - പിന്തുണക്കൽ * आह्वान - അറിയിപ്പ് * चित्रण - ചിത്രീകരണം * तलवार – വാൾ
* पौराणिक - പുരാണസംബന്ധമായ * आधार बनाकर – അടിസ്ഥാനമാക്കി * उल्लंघन - ലംഘിക്കൽ * उन्नति - പുരോഗതി
* मुक्ति पाना - മോചനം നേടുക * मनुष्यता – मनुष्यत्व * अर्थात् – यानी അതായത് * नष्ट कर डालना - നഷ്ടപ്പെടുത്തുക
* प्रतीकात्मक - പ്രതീകാത്മകമായ * विवश करना – നിസ്സഹായനാക്കുക * अत : - അതുകൊണ്ട് * प्रार्थना – विनती, अपेक्षा

व्याकरण अंश

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. मैं लोहा ले सकता हूँ । — तुम लोहा ले --------------- ।

2. अभिमन्यु चुनौती देता है । — अभिमन्यु चुनौती देगा ।
   महारथी घेर लेते हैं । — महारथी घेर ---------- ।

3. पहिया कहता है । — पहिया कहने लगा ।
   कवि याद दिलाते हैं । — कवि याद ------- ।

4. अभिमन्यु अकेले प्रवेश करता है । — अभिमन्यु को अकेले प्रवेश करना पडा ।
   महारथियाँ उसे निरायुध बनते हैं । — --------------------------------------- ।

5. अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस जाता है । — अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस गया ।
   अभिमन्यु शत्रुओं से लडता है । — अभिमन्यु शत्रुओं से -----------।

6. वह चक्रव्यूह में घुसता है । — वह चक्रव्यूह में घुसना जानता है ।
   वे सेना को चुनौती देते हैं । — वे सेना को चुनौती --------------- ।

7. वे अपना पक्ष असत्य जानते हैं । — उन्हें अपना पक्ष असत्य मालूम है ।
   वह अपना पक्ष सत्य जानता है । — ------------------------------------ ।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. बडे-बडे महारथी अभिमन्यु का नाश करना -------------। (चाहता है, चाहते हैं, चाहती है, चाहती हैं)
2. अभिमन्यु चक्रव्यूह में -----------------। (घेर लेता है, घेर लेती है, घेर लेते हैं, घेर लेती हैं)

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. मैं लोहा ले सकूँगा ।
   मैं लोहा ले सकोगे ।
   मैं लोहा ले सकेगा ।
   मैं लोहा ले सकेंगे ।

2. अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस जाता है ।
   अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस जाते हैं ।
   अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस जाती है ।
   अभिमन्यु चक्रव्यूह में फँस जाती हैं ।

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए । (बलिदान)
2. वे अपने पक्ष को असत्य जानते थे । (वह)
3. अभिमन्यु घिर जाएगा । (लोग)
4. तुम पहिये को मत फेंको । (आप)
5. उनका पक्ष अन्याय का था । (बगल)
6. द्रोण ने चक्रव्यूह की रचना की थी । (निर्माण)
7. उसकी लडाई अन्याय के विरुद्ध थी । (युद्ध)
8. संसार में हरेक वस्तु का अपना मूल्य होता है । (कीमत)
9. आवाज़ को दबाने का प्रयास करता है । (कोशिश)

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. मत फेंकना चाहिए । (तुच्छ मानकर, टूटे हुए)
   पहिये को मत फेंकना चाहिए ।
   ------------------।
   ---------------------।

2. आश्रय लेगा । (टूटे हुए , सच्चाई)
   पहियों का आश्रय लेगा ।
   ----------------।
   --------------------------- ।

3. अभिमन्यु घिर जाएगा । (अकेले , दुस्साहसी)
   अभिमन्यु आकर घिर जाएगा ।
   ------------------।
   ----------------------------- ।

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRHS ph 9567224545

<u>और यह भी जानें ।</u>   <u>(पौराणिक कथा के आधार पर)</u>

1. किसने चक्रव्यूह की रचना की थी ?
   द्रोणाचार्य ने
2. चक्रव्यूह भेदने की विद्धा कौन-कौन जानते थे ?
   कृष्ण और अर्जुन
3. द्रोण ने चक्रव्यूह की रचना क्यों की थी ?
   पांडवों को पराजित करने केलिए
4. आसमान से देखने पर चक्रव्यूह को कैसे दिखाई देती है ?
   घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना
5. चक्रव्यूह की रचना युद्ध के किस दिन में की थी ?
   तेरहवें
6. चक्रव्यूह में सैन्य को कितनी पंक्ति में तैनात किया था ?
   सात
7. कौरवों के पास कितने अक्षौहिणी थे ?
   ग्यारह
8. पांडवों के पास कितने अक्षौहिणी थे ?
   सात
9. ' चक्रव्यूह ' का दूसरा नाम क्या था ?
   पत्मव्यूह
10. अभिमन्यु को चक्रव्यूह भेदने की विद्धा कैसे मालूम हुई ?
    चक्रव्यूह को भेदने के बारे में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को बताते समय सुभद्रा के (कोख) गर्भ में रहते अभिमन्यु यह सुनता है । पर बीच में सुभद्रा सो जाने से वह सिर्फ चक्रव्यूह के अंदर घुसना जानता है, बाहर निकलना नहीं जानता ।
11. अभिमन्यु किसका पुत्र है ?
    अर्जुन और कृष्ण की बहन सुभद्रा का
12. अभिमन्यु कितने साल का था ?
    सोलह
13. अक्षौहिणी सेना में क्या-क्या होते हैं ?
    हाथी (21870), रथ (21870), घोडा(65610) और पैदल(109350)
14. अंत में किसने अभिमन्यु को मारा ?
    दुशासन के पुत्र ने
15. अभिमन्यु चक्रव्यूह के अंदर अकेले घुसने में कौन कारण बना था ?
    जयंद्रथ
16. कौरवों ने अभिमन्यु को पराजित करने में उसके साथ कैसे लडा ?
    न्याय का उल्लंघन करते हुए
17. युद्ध क्षेत्र में अधार्मिक बात क्या है ?
    निरायुध से लडना
18. चक्रव्यूह में अभिमन्यु कैसे घुस गया ?
    अकेले
19. अभिमन्यु सिर्फ क्या जानता था ?
    चक्रव्यूह के अंदर घुसना
20. महाभारत युद्ध किन-किन के बीच हुआ था ?
    कौरव और पांडव के बीच
21. कौरव पक्ष के महारथी कौन – कौन थे ?
    कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कृतवर्मार्व, अश्वत्थामाव, दुर्योदन, जयंद्रथ, भीष्म, द्रोण, दुश्शासन आदि ।
22. कौरवों पक्ष के महारथों ने अभिमन्यु पर कैसे मारा ?
    सीधे मार्ग से अभिमन्यु को पराजित करना मुश्किल होने से वे अन्याय का मार्ग चुने । कर्ण ने पीछे से तीर चलाकर उसका धनुष तोडा । कृतवर्माव ने उसके रथ व घोडे को और कृपाचार्य ने उसके सारथी को भी मार डाले । तब अभिमन्यु तलवार और परिचा से उनका सामना करना लगा । महारथियों ने उसका तलवार को भी तोडा । तब वह अपने रथ के चटूटे हुए पहिये से उनके आक्रमण को रोका । अंत में दुश्शासन पुत्र भरत ने अपने गदा से सिर पर प्रहार करके अभिमन्यु को मारा ।
23. अंत में किसके सहारे अभिमन्यु ने युद्ध किया था ?
    रथ के टूटे हुए पहिये से

SREENATH R, KOVOOR VARKALA, SCRHS ph 9567224545